CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 182 ▫ रायपुर, शनिवार 25 जुलाई 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

अंततः धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नीट पेपर लीक विवाद के बाद छोड़ा पद, पीएम को भेजा पत्र

नई दिल्ली, 25 जुलाई (न्यूज चैनल)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद ने आखिरकार एक बड़ा राजनीतिक रूप ले लिया है। पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

सोशल मीडिया पर साझा किया इस्तीफा

मेरे युवा साथियों,

मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूँ। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं।

किंतु 3 मई 2026 को हुई NEET-UG की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी (Computer-based-test) मोड में करने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए whole of government approach के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

पहले ही दिन से, इसपर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ।

मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूँ तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूँ। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं।

पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।

भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है।

देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे, हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है।

मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। साथ ही, मंत्रिपरिषद के अपने सभी सम्मानित सहयोगियों, मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं इसके लिए सदैव समर्पित रहूँगा।

प्रभु श्रीजगन्नाथ जी के आशीर्वाद से मैं भविष्य में भी भारत माता, ओडिशा की जनता तथा देश के युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर संभव रूप में स्वयं को समर्पित रखूँगा।

आपका,

धर्मेंद्र प्रधान

आधारशिला होती है।

उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तारीख की घोषणा की। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।

'हम किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए 'पूरी सरकार का समन्वित दृष्टिकोण' के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, खासकर जिला प्रशासन की अहम भूमिका रही। उन्होंने आगे कहा, साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

88 करोड़ की ठगी के मास्टरमाइंड का प्रत्यर्पण, यूएई से भारत लाया गया अविनाश राठौड़

नई दिल्ली, 25 जुलाई (न्यूज चैनल)। मुनाफे का लालच देकर निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित ठगी करने वाले एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के मुख्य आरोपी अविनाश राठौड़ को पुणे पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रक्रिया के बाद संयुक्त अरब अमीरात से भारत प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। करीब 88 करोड़ रुपये की निवेश ठगी के इस हाई-प्रोफाइल मामले में आरोपी लंबे समय से फरार था और उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। पुलिस के अनुसार, मामले में वर्ष 2023 में मामला दर्ज किया गया था। शिकायत 20 अप्रैल 2023 को दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद जांच आर्थिक अपराध शाखा, पुणे शहर को सौंपी गई। जांच में सामने आया कि बाणेर स्थित एपीएस वेल्थ वेंचर्स एलएलपी के संचालक अविनाश राठौड़ और उनकी पत्नी विशाखा अविनाश राठौड़ ने निवेशकों को कम समय में अधिक और आकर्षक रिटर्न देने का वादा किया। लोगों से विधिवत निवेश समझौते किए गए, लेकिन बाद में उन समझौतों का पालन नहीं किया गया और निवेशकों की रकम वापस नहीं की गई। शिकायतकर्ता ने कंपनी में 86 लाख 37 हजार 500 रुपये का निवेश किया था, जिसे वापस नहीं किया गया। जांच आगे बढ़ने पर यह स्पष्ट हुआ कि केवल एक निवेशक ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों से इसी तरह निवेश कराया गया और कुल मिलाकर करीब 88 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई।

बिट्टू के इस्तीफे से नई चुनावी बिसात, जाट सिख चेहरे के तौर पर मिलेगी बड़ी भूमिका!

नई दिल्ली, 25 जुलाई (न्यूज चैनल)। केंद्रीय मंत्रिपरिषद से रवनीत सिंह बिट्टू के इस्तीफे ने पंजाब की राजनीति में नए समीकरणों की चर्चा तेज कर दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही फिलहाल केंद्र सरकार में पंजाब का कोई मंत्री नहीं बचा है।

ब्रेकिंग न्यूज

युवक की बेरहमी से पिटाई कर सड़क किनारे फेंका, इलाज के दौरान हुई मौत, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

सूरजपुर, 25 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक को बेरहमी से पीटकर सड़क किनारे फेंक दिया गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला प्रतापपुर थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान हरिनंदन राजवाड़े के रूप में हुई है, जो कि गोंदा गांव का रहने वाला था। शुक्रवार को अज्ञात आरोपियों ने उसकी बेदम पिटाई कर दी और उसे केवरा गांव में सड़क के किनारे फेंक दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गाना गाते समय हार्ट अटैक आने से प्रोफेसर की मौत

बिलासपुर, 25 जुलाई (हाईवे चैनल)। गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में गाना गाते समय हार्ट अटैक आने से प्रोफेसर की मौत हो गई। प्रोफेसर की मौत के बाद कार्यक्रम को बंद कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो. आलोक चक्रवाल के 5 साल का कार्यकाल पूरा होने पर पार्टी का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में अन्य प्राध्यापकों के साथ छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शैलेंद्र कुमार सिंह भी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने गाना भी गाया। इसके बाद असहज महसूस करने पर वे बाथरूम चले गया, जहां अन्य लोगों को गिरे मिले। जांच के बाद स्थिति का अंदाजा लगते ही कार्यक्रम बंद किया गया।

चर्चित शराब घोटाला: ओवरटाइम स्कैम मामले में 4 आरोपियों को हाईकोर्ट से मिली नियमित जमानत

बिलासपुर, 25 जुलाई (हाईवे चैनल)। शराब घोटाला मामले से जुड़े ओवरटाइम स्कैम में 4 आरोपियों को हाईकोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है। कोर्ट ने आरोपी संजीव जैन और राजीव द्विवेदी समेत चार आरोपियों को 10-10 लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो सक्षम जमानतदार पेश करने की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अदालत के सामने कई महत्वपूर्ण तर्क रखते हुए सबसे प्रमुख मुद्दा सिद्धार्थ सिंघानिया की भूमिका को लेकर उठाया गया। बचाव पक्ष ने कहा कि संबंधित कंपनी के मैनपावर कॉन्ट्रैक्ट का संचालन सिद्धार्थ सिंघानिया कर रहे थे, लेकिन उन्हें आरोपी बनाने के बजाय गवाह बनाया गया। वहीं, कंपनी के निदेशकों को आरोपी बना दिया गया, जबकि उनकी भूमिका अलग थी। बचाव पक्ष ने कोर्ट को बताया कि शराब घोटाले के मूल अपराध में संजीव जैन को गवाह बनाया गया था, लेकिन उसी मामले से निकले कथित ओवरटाइम घोटाले में उन्हें आरोपी बना दिया गया। यह भी दलील दी गई कि कंपनी के मैनपावर कॉन्ट्रैक्ट का पूरा संचालन सिद्धार्थ सिंघानिया के हाथ में था। मामले की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कहा, कि जांच पूरी हो चुकी है और 18 मई 2026 को चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। आरोपी ईओडब्ल्यू के नोटिस पर लगातार उपस्थित होते रहे और जांच में पूरा सहयोग करते रहे। इसके बावजूद एफआईआर दर्ज होने के करीब 18 महीने बाद, 4 मई 2026 को उनकी गिरफ्तारी की गई।

मामले की सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि इसी मामले के एक अन्य सह-आरोपी को पहले ही हाईकोर्ट से नियमित जमानत मिल चुकी है। इसलिए समानता के सिद्धांत के आधार पर भी आरोपियों को राहत दिए जाने की मांग की गई।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, आखिरकार धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

चुहिया- हां जी, इसे पहले ही कर देते तो क्या बिगड़ जाता।

ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया, सऊदी ने यमन में बरसाए बम

नई दिल्ली, 25 जुलाई (न्यूज चैनल)। वेस्ट बैंक के कई इलाकों में इस्राइली सेना की छापेमारी और सेटलर्स की हिंसा का नया दौर चला। इसमें बेथलहम और नाब्लस में गोलीबारी से एक फलस्तीनी किशोर और एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए। इस्राइली सेना ने जेरिको के दक्षिण में अकबत जाबर कैंप, कालकिल्या शहर, रामल्ला जिले के कोबार गांव और यरूशलेम के उत्तर में काफ़ अकब कस्बे में छापेमारी की। सैनिकों ने जेनिन गवर्नरेट में जबाबदेह और बुरकिन गांवों के साथ-साथ याबाद कस्बे में भी धावा बोला, जबकि एक और छापेमारी तुलकारम के दक्षिण में फारौन गांव को निशाना बनाकर की गई। नाब्लस में, सेना की टुकड़ियां ताल और कर्यूत गांवों के साथ-साथ बेत फुरिक कस्बे में भी दाखिल हुईं। उन्होंने ताल में बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लेने का अभियान चलाया और बेत फुरिक में कई घरों की तलाशी ली। इन छापों के दौरान, सैनिकों ने कर्यूत में फलस्तीनी घरों पर आंसू गैस के गोले दागे, जबकि सेटलर्स ने नाब्लस के दक्षिण में उरीफ गांव के घरों पर हमला किया।

सऊदी सिविल डिफेंस निदेशालय ने यानबू प्रांत में संभावित खतरे के बारे में एक और अलर्ट जारी किया था, निदेशालय ने लोगों को शांत रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। इसके बाद सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक नए पोस्ट में कहा है कि यानबू प्रांत में अब खतरा टल गया है। यह आज रात तीसरी बार था जब निदेशालय ने यानबू के लिए संक्षिप्त चेतावनी जारी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई के लिए अमेरिका पूरी तरह तैयार है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि उनका प्रशासन बातचीत में भी लगा हुआ है।

सड़कों पर प्रदर्शनकारी, बिहार बंद के दौरान तेज प्रताप यादव हिरासत में

नई दिल्ली, 25 जुलाई (न्यूज चैनल)। आज बिहार बंद है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए हंगामे के अगले दिन पटना में हुए भारी उपद्रव की कड़ी में वामपंथी छात्र संगठनों के बिहार बंद को पहले वामदलों ने, फिर पूरे महागठबंधन ने समर्थन दिया। तेज प्रताप भी साथ उतरे। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर रहे। पटना में तेज प्रताप यादव को इसी दौरान हिरासत में लिया गया।

सीतामढ़ी में बिहार बंद के दौरान छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। जिला प्रशासन की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील के बावजूद छात्रों का आक्रोश मार्च शनिवार को अचानक हिंसक हो गया। उग्र भीड़ ने भाजपा के एक नेता की स्कॉर्पियो गाड़ी को निशाना बनाते हुए उसे पूरी तरह चकनाचूर कर दिया। शिवहर में भीम आर्मी भारत एकता मिशन से जुड़े बंद समर्थकों के प्रदर्शन से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। प्रदर्शनकारियों के जीरोमाइल चौक पहुंचते ही कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया।

यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनने के लिए 8 प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला, जिले की तीनों विस में अध्यक्ष पद हेतु कुल 97 उम्मीदवार

प्रदेश महासचिव हेतु जिले से है 5 उम्मीदवार मैदान में, चुनाव जीतने सोशल मीडिया व भौतिक रूप से हो रहा प्रचार-प्रसार

धमतरी 25 जुलाई (हाईवे चैनल)। भारतीय युवा कांग्रेस (यूथ कांग्रेस) के संगठनात्मक चुनाव को लेकर धमतरी जिले में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस बार चुनाव पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के तहत आईवाईसी ऐप के माध्यम से ऑनलाइन कराया जा रहा है। चुनाव में युवाओं का उत्साह देखने को मिल रहा है और विभिन्न पदों के लिए बड़ी संख्या में दावेदार मैदान में हैं।

जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए इस बार 8 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं जिले की विभिन्न विधानसभा इकाइयों में विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए कुल 97 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा प्रदेश महासचिव पद के लिए धमतरी जिले से 5 उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में अलग-अलग गुटों के समर्थित प्रत्याशी भी मैदान में हैं, जिससे मुकाबला रोचक और कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। सभी उम्मीदवार युवा मतदाताओं तक पहुंचने के लिए जनसंपर्क अभियान, बैठकों और सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इस चुनाव की खास बात यह है कि पूरी प्रक्रिया विथ आईवाईसी ऐप के जरिए ऑनलाइन संचालित की जा रही है। 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा ऐप पर पंजीकरण कर मतदान कर सकेंगे। इससे चुनाव प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तकनीक आधारित और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने वाली मानी जा रही है। युवा कांग्रेस नेताओं का कहना है कि संगठन चुनाव से नए नेतृत्व को अवसर मिलेगा और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारी मिलने का रास्ता खुलेगा। चुनाव परिणाम के बाद जिले में युवा कांग्रेस की नई टीम संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी करेगी। फिलहाल धमतरी जिले में युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव को लेकर माहौल पूरी तरह गर्म है। सभी प्रत्याशी अपने-अपने समर्थन आधार को मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

विथ आईवाईसी एप के जरिए होगा आनलाईन चुनाव, 18 से 35 वर्ष तक के युवा कर सकेंगे मतदान

बता दें कि धमतरी यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेतु धमतरी क्षेत्र से उदित नारायण साहू, प्रवीन साहू, सूरज पासवान, गीतराम सिन्हा, यश राजपूत, कुरुद क्षेत्र से डोमेश साहू, सिहावा क्षेत्र से आकाश नेताम, धमतरी ग्रामीण क्षेत्र से पारसमणी साहू मैदान में हैं। इसी प्रकार जिले के तीनों विस में अध्यक्ष पद हेतु कुल 97 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें धमतरी विस से सर्वाधिक 41, सिहावा विस से 31, कुरुद विस से 25 प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। वहीं जिला महासचिव हेतु 34 उम्मीदवार हैं, प्रदेश महासचिव हेतु 5 उम्मीदवार हैं। जिनमें प्रेमांशु प्रजापति बेलर, प्रमोद कुजांम नगरी, रिषभ ठाकुर आमदी, देवव्रत साहू कुरुद, कमल नारायण साहू भखारा शामिल है। बता दे कि पिछले बार विस स्तर पर चुनाव हुए थे, लेकिन इस बार युवा कार्यकर्ताओ की मांग पर ब्लाक स्तर पर चुनाव हो रहे है।

बांटी गई हजारों की मिठाई: यूथ कांग्रेस चुनाव में युवाओं को अपने पक्ष में मतदान कराने कई तरीके अपनाए जा रहे हैं। प्रचार हेतु अपनी क्षमता बताने के साथ ही सेवा सत्कार भी किया जा रहा है। एक प्रत्याशी द्वारा हजारों की मिठाई भी बांटी गई है ऐसी चर्चा है। साथ ही कई तरह-तरीके से प्रचार-प्रसार में एड़ी-चोटी का जोर लगाया जा रहा है।

कई गुट के प्रत्याशी हैं मैदान में: राजनीतिक पार्टी भले ही एक होती है लेकिन भीतर में कई गुट होते हैं। वर्तमान यूथ कांग्रेस चुनाव में गुट नजर आ रहा है। चुनाव लड़ने वाले कुछ प्रत्याशी अलग-अलग वरिष्ठ नेताओं के गुट से होने की चर्चा है। वहीं इस चुनाव का परिणाम भी यह तय कर देगा कि जिले में किस नेता व गुट की युवा कार्यकर्ताओं के बीच ज्यादा पकड़ है।

एक जनप्रतिनिधि के प्रचार से हार का डर, इसलिए ज्यादातर प्रत्याशियों ने नेता से बनाई दूरी

यूथ कांग्रेस चुनाव में न सिर्फ युवा नेताओं जो चुनाव लड़ रहे हैं उनकी जमीनी हकीकत स्पष्ट हो रही है। बल्कि कई जनप्रतिनिधि और नेताओं की अपने ही युवा कार्यकर्ताओं के बीच कितनी पकड़ है यह भी स्पष्ट हो रही है। चर्चा है कि एक जनप्रतिनिधि की पार्टी के भीतर स्थिति सही नहीं है कार्यकर्ता उनसे संतुष्ट नहीं हैं। ऐसे में इस जनप्रतिनिधि के प्रचार से कुछ प्रत्याशियों को युवा कार्यकर्ताओं की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। इससे चुनाव में उनके प्रचार से लाभ से कहीं ज्यादा नुकसान की आशंका है, इसलिए कई प्रत्याशी प्रचार के मामले में उनसे दूरी बनाए हुए हैं।

CMYK